मेरे पास सिखाने के लिए बस तीन बातें हैं। सादगी, धैर्य, दया। ये तीनों आपका सबसे बड़ा खजाना हैं।

-लाओत्से

मूल्य ₹ 3/-

सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 159 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 15 जुलाई, 2022

संसदीय चर्चा में कोई शब्द प्रतिबंधित नहीं... 8 | गरीबों के खाते में फिर वही चूल्हा... 3 | आलोचनात्मक शब्दों पर नहीं, अलोकतांत्रिक... 7

और बढ़ी सपा-सुभासपा में तल्खी

अमित शाह का दांव आ गया काम राजभर करेंगे द्रौपदी का समर्थन

- » शाह से मुलाकात के बाद सुभासपा प्रमुख ने किया ऐलान
- » राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के साथ, सपा से अभी बरकरार है गठबंधन
- » विधान सभा चुनाव के बाद से सपा प्रमुख अखिलेश पर लगातार हमलावर हैं राजभर
- » विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की बैठक में नहीं बुलाए जाने से हैं नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुभासपा के हैं छह विधायक

1- ओम प्रकाश राजभर (जहूराबाद, गाजीपुर)
2 - दूधराम (महादेवा, बस्ती)
3- हंसु राम (बेल्थरा रोड, बलिया)
4- जगदीश नारायण (जफराबाद, जौनपुर)
5- बेदी राम (जखनिया, गाजीपुर)
6- अब्बास अंसारी (मऊ सदर)

लखनऊ। सपा और सुभासपा के बीच तल्खी बढ़ती जा रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद सपा को सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने बड़ा झटका दिया है। सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का ऐलान किया जबकि सपा संयुक्त विपक्ष के प्रत्याशी यशवंत सिन्हा का समर्थन कर रही है। हालांकि राजभर ने कहा कि सपा से गठबंधन जारी है।

ओम प्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा नेता को हमारी जरूरत नहीं है। हमने राष्ट्रपति के चुनाव को लेकर अपने विधायकों से बात की है। मैं आठ जुलाई को मुख्यमंत्री आवास पर द्रौपदी मुर्मू के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज में शामिल हुआ था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और द्रौपदी मूर्मू ने मुझसे समर्थन मांगा था। इस संदर्भ में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का फोन भी आया था। मेरी उनसे भी मुलाकात हुई। उन्होंने भी द्रौपदी मुर्मू के लिए समर्थन मांगा है। फिलहाल राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए सुभासपा द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करेगी। अभी मैं समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में हूं, मैंने अपनी तरफ से गठबंधन नहीं तोड़ा है।

राजभर ने कहा कि मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी हमारी पार्टी के विधायक हैं। वह भी द्रौपदी मुर्मू को वोट करेंगे। मैंने इस बारे में मुख्यमंत्री और अमित शाह को भी अवगत करा दिया है। हमारे पार्टी के चुनाव चिन्ह से जीते सभी छह विधायक हमारे साथ हैं। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने मुझसे कहा कि आप पिछड़े, दलित, वंचित की लड़ाई लड़ते हैं। आप द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करें। जिसके बाद गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात हुई। उनसे बात होने के बाद हमने द्रौपदी मुर्मू को समर्थन का ऐलान किया है।

अखिलेश पर कसा तंज कहा, नहीं दूंगा सलाह

ओम प्रकाश राजभर ने गाड़ी को लेकर भी अखिलेश यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मुझे जानकारी नहीं कि मुझे फॉर्च्यूनर दी गई। वह गाड़ी देकर अगर हमको अपने पक्ष में करना चाहते हैं तो शायद उनको पता नहीं है कि ओम प्रकाश राजभर को पकड़ना कठिन काम है। कौन सी फॉर्च्यूनर मुझे दी इसकी जानकारी नहीं है। राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव के नवरत्न अपना बूथ नहीं जीत पाते हैं। आजमगढ़ के साथ रामपुर लोक सभा के उप चुनाव इसके प्रमाण हैं। आजमगढ़ में तो उनका एक भी रत्न दिखाई नहीं दिया। अखिलेश को मेरी सलाह बुरी लगती है तो मैं अब सलाह नहीं दूंगा। वे प्रेस वार्ता में जयंत चौधरी को बुला लेते हैं, लेकिन ओपी राजभर को नहीं बुलाया गया। राज्य सभा चुनाव आया तो राज्य सभा जयंत चौधरी को दे दिया, विधान परिषद सदस्य चुनाव में हमें न पूछना। उनकी तरफ से नजरअंदाज करने वाली चीजें हो रही हैं।

अब संसद परिसर में धरना-प्रदर्शन पर पाबंदी!

- » केंद्र सरकार पर साधा निशाना, मानसून सत्र से पहले एक और विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

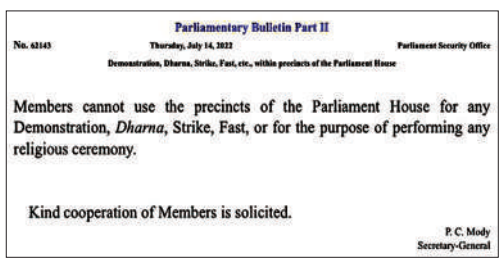

Parliamentary Bulletin Part II

No. 62143 | Thursday, July 14, 2022 | Parliament Security Office

Demonstration, Dharna, Strike, Fast, etc., within precincts of the Parliament House

Members cannot use the precincts of the Parliament House for any Demonstration, *Dharna*, Strike, Fast, or for the purpose of performing any religious ceremony.

Kind cooperation of Members is solicited.

P. C. Mody
Secretary-General

नई दिल्ली। संसद में इस्तेमाल होने वाले कई शब्दों को असंसदीय करार देने पर बवाल थमा भी नहीं था कि अब संसद परिसर में धरना-प्रदर्शन पर रोक लगाए जाने का दावा कांग्रेस नेता ने किया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक आदेश को ट्विटर पर शेयर किया है, जिसमें कहा गया है कि अब संसद परिसर में कोई भी सदस्य धरना, हड़ताल और भूख हड़ताल नहीं कर सकेगा। इसे कांग्रेस नेता ने विषगुरु का जयजयकार बताया है।

जयराम रमेश ने संसद के सेक्रेट्री जनरल के लेटर को शेयर करते हुए लिखा कि, विषगुरु का नया जयजयकार... D(h)arna मना है! जो लेटर कांग्रेस नेता ने शेयर किया है, उसमें लिखा गया है कि सदस्य संसद के परिसर को किसी भी धरना प्रदर्शन, हड़ताल या भूख हड़ताल के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। किसी भी धार्मिक समारोह के लिए भी आयोजन नहीं किया जा सकता। सभी सदस्यों का सहयोग जरूरी है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी इस पर ट्वीट किया। तिवारी ने लिखा कि पीठासीन अधिकारी सदस्यों के साथ टकराव का मंच तैयार क्यों कर रहे हैं? पहले असंसदीय शब्दों पर टकराव और अब ये। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ दिन पहले संसद के सेक्रेट्री जनरल की तरफ से ऐसा ही एक आदेश जारी हुआ था जिसमें बताया गया कि कई शब्द ऐसे हैं जिन्हें अब संसद में नहीं बोला जा सकता।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आदेश की कॉपी शेयर कर किया दावा

सीएम ने किया मुफ्त प्रिकॉशन डोज अभियान का शुभारंभ, डिप्टी सीएम ने लगवाई डोज

- » सभी से डोज लगवाने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज दस बजे सिविल अस्पताल में मुफ्त प्रिकॉशन डोज अभियान का शुभारंभ किया। वहीं दूसरी ओर आज उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सिविल अस्पताल में प्रिकॉशन डोज लगवाई और लोगों से समय आने पर बूस्टर डोज लगवाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश इस लड़ाई को लड़ रहा है। वैक्सीन की सबसे ज्यादा डोज उपलब्ध कराने वाले भारत में उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा प्रदेश है। आजादी के अमृत महोत्सव पर 18 से अधिक वर्ष के लोगों के लिए बूस्टर डोज फ्री में उपलब्ध कराने का निर्णय भारत सरकार ने किया है। सभी से अनुरोध कि जो भी पात्र हैं वे अमृत डोज जरूर लें।

यूपी में स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल अधिकारी घोटाले में लिप्त : संजय

» सभी विभागों में ट्रांसफर पोस्टिंग में बड़ा खेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद और प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने स्वास्थ्य विभाग में ट्रांसफर को लेकर मंत्री और अपर मुख्य सचिव के बीच हुए वाकयुद्ध के मद्देनजर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ताजा घटनाक्रम से जाहिर है कि मंत्री से लेकर अधिकारी तक घोटाले में लिप्त हैं। वह पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है। महकमे के मंत्री द्वारा तबादले पर उठाए गए सवाल से साबित हो गया कि इस बार सभी विभागों में ट्रांसफर-पोस्टिंग में बड़ा खेल हुआ है।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी इलाज के लिए उपकरण खरीदने में जमकर घोटाला हुआ था लेकिन सरकार ने संबंधित शिकायतों की जांच तक नहीं कराई। इसी प्रकार पशुपालन विभाग में भी दवा खरीद के नाम पर बड़ा घोटाला सामने आया है। पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. रजनीश दूबे की चिट्ठी से इसका खुलासा हुआ है। अपर मुख्य सचिव ने इसकी जांच कराने की संस्तुति देने का अनुरोध किया है। संजय सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से एक गुल्लक में रोजाना 10 रुपये जमा करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्र में 100-100 कार्यकर्ताओं द्वारा गुल्लक में प्रतिदिन 10-10 रुपये एकत्र किया जाएगा तो इससे पार्टी के खर्चों को वहन किया जा सकता है। ऐसा करने से पार्टी को किसी से चंदा लेकर उसके इशारे काम नहीं करना होगा।

इस्मा जहीर बनाए गए खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष

आप के प्रदेश प्रभारी ने इस्मा जहीर को पार्टी के खेल प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। संजय सिंह ने बताया कि नगर निकाय चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर प्रत्येक जिलों और नगरों में नगरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें सभासद के संभावित उम्मीदवार, वार्ड प्रभारी, वार्ड अध्यक्ष, नगरीय प्रभारी आदि शामिल होंगे। सम्मेलन की शुरुआत 24 जुलाई से लखनऊ में होगी। वहीं पहला सम्मेलन अयोध्या प्रांत का होगा।

प्रदेश को पूरी तरह बाल श्रम से मुक्त करेंगे : श्रम मंत्री

» 100 दिन के अधिकतर लक्ष्य विभाग ने पूरे किए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि 100 दिन के अधिकतर लक्ष्य विभाग ने पूरे किए हैं। महिलाओं की सुरक्षा, विभिन्न आयोजनों में उनकी भागीदारी, चीनी आसमानी उद्योग के श्रमिकों के वेतन में वृद्धि, बाल एवं बंधुवा श्रम उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य शुरू किए गए हैं। इस दौरान छोटे दुकानदारों को पंजीकरण व अन्य सभी दुकानदारों को नवीनीकरण से मुक्त किया गया।

उन्होंने कहा कि रात्रि पाली में कारखानों में महिलाओं के लिए सामान्य नीति तैयार की गई है। प्रदेश के श्रमिकों की समस्या के निदान के लिए विभाग लगातार कार्य कर रहा है। हमारा लक्ष्य है कि अगले 5 सालों में बाल श्रम से पूरे प्रदेश को मुक्त कर दिया जाए। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि इस अभियान के तहत नया सवेरा योजना में 20 जिलों में कामकाजी बच्चों को कार्य से मुक्त कराकर विद्यालयों में प्रवेश दिलाया जा रहा है साथ ही इन 100 दिनों में सेवा योजना निधि निदेशालय के तहत 90 रोजगार मेलों के माध्यम से 25000 भर्तियों को निजी क्षेत्र में नियोजित किया गया। 600 करियर काउंसलिंग के माध्यम से 50000 प्रतिभागियों की काउंसलिंग की गई। सेवा मित्र पोर्टल के माध्यम से 4000 कुशल कामगारों का पोर्टल पर पंजीकरण कराया गया।

दिव्यांगों को मिले विश्वविद्यालय की विशेषता का लाभ : राज्यपाल

» शकुंतला विश्वविद्यालय में ब्रेल प्रेस का किया उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा है कि प्रदेश में कई तरह के विश्वविद्यालय हैं और उनकी अपनी विशेषता है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि इस विशेषता का लाभ दिव्यांगों को मिले। क्योंकि इनके अंदर बहुत ऊर्जा व सामर्थ्य है। वे डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में ब्रेल प्रेस के उद्घाटन और दिव्यांगजन के शैक्षणिक पुनर्वास एवं कौशल विकास कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहीं थी।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आपस में इसके लिए एमओयू करें। किसी विश्वविद्यालय के पास ड्रोन उड़ाने की विशेषता है वो दिव्यांग विद्यार्थियों को भी इसके लिए प्रशिक्षित करें। विश्वविद्यालय एक-दूसरे की विशेषता, कौशल, लैब का प्रयोग करें। तभी सामूहिक विकास और समाज का बहुमुखी विकास होगा। उन्होंने कहा कि पुनर्वास विश्वविद्यालय में ब्रेल प्रेस लगी है तो इसका लाभ प्रदेश भर के जरूरत मंद लोगों को मिलना चाहिए। आंगनबाड़ी केंद्रों में भी एक-दो दिव्यांग बच्चे पड़ते हैं, उनको भी ब्रेल में किताबें मिले। इसका लाभ पूरे प्रदेश भर को मिलना चाहिए। कार्यक्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मंत्री नरेंद्र कश्यप, अपर मुख्य सचिव दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेमंत राव, कुलपति प्रो. राणा कृष्णपाल सिंह, रजिस्ट्रार अमित कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

तीर्थ स्थानों को लेकर प्रदेश सरकार सजग : केशव मौर्य

» शुकतीर्थ में लाई जाएगी गंगा की अविरल धारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। शुकतीर्थ पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बहुत जल्दी शुकतीर्थ में गंगा की अविरल धारा बहती नजर आएगी। कहा कि ओमानंद जी की मांग को सरकार के सामने रखकर जल्दी ही पूरा कर दिया जाएगा। वीतराग स्वामी कल्याण देव की पुण्यतिथि पर शुकतीर्थ पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का आश्रम में स्वागत किया गया। बुलावे को लेकर ओमानंद महाराज का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सामाजिक जीवन में दायित्व होने के चलते ज्यादा समय नहीं दे पा रहा हूं।

ओमानंद महराज से बहुत कुछ अतिरिक्त मिला है। खुद को भक्त बताते हुए कहा कि आपने गंगा को लेकर जो प्रारूप दिया है, इसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। कहा कि गंगा की धारा को नजदीक लाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार के सामने समस्या को रखा जाएगा। कहा कि तीर्थ स्थानों को लेकर देश व प्रदेश की सरकार बहुत कार्य कर रही है। प्रयागराज, अयोध्या, काशी, मथुरा, वृंदावन आदि की तरह ही शुकतीर्थ का विकास किया जाएगा। समाज और सरकार मिलकर सभी तरह के काम करते है। गौरतलब है कि महामुनि श्री शुकदेव की तपोभूमि शुकतीर्थ में संत विभूति स्वामी कल्याणदेव 14 जुलाई, 2004 में ब्रह्मलीन हुए थे। प्रति वर्ष भागवत पीठ शुकदेव आश्रम में उनकी पुण्यतिथि श्रद्धा एवं भक्तिभाव से मनाई जाती है। महाभारत कालीन जीर्ण-शीर्ण इस तीर्थ का कैसे वीतराग संत ने जीर्णोद्धार किया, ये अद्भुत है और अकल्पनीय भी। वर्ष 1943-44 की अवधि में प्रयागराज में कुंभ लगा था। देश के शंकराचार्य, संत-महात्माओं ने संगम तट पर गंगाजल हाथ में देकर स्वामी जी से शुकतीर्थ के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया। उन्होंने भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय की राय से वृंदावन के विद्वानों से पूरे वर्ष का अखंड भागवत पाठ करा कर अपने संकल्प में आहुति दी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

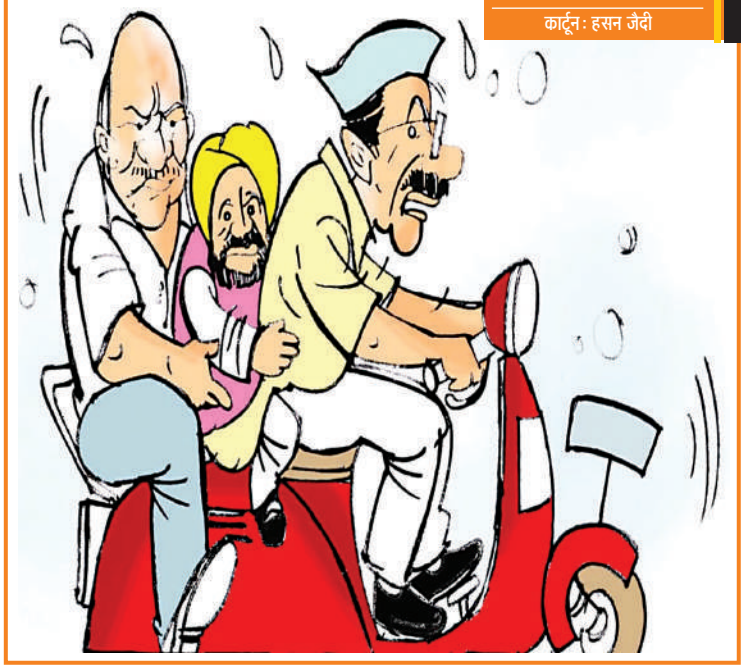

मीनाक्षी लेखी ने बूथों को मजबूत करने का दिया मंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय सांस्कृतिक व विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी दो दिवसीय दौरे पर अमरोहा में हैं। वहां वे केंद्रीय मंत्री जिला इकाई के पदाधिकारियों की बैठक ले रही हैं। बैठक से पहले मीनाक्षी लेखी का जोया रोड स्थित भाजपा जिला कार्यालय में सभी पदाधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। स्वागत के बाद केंद्रीय मंत्री ने जिला इकाई के पदाधिकारियों की बैठक ली।

परिचयात्मक बैठक में उन्होंने जिला संगठन की जानकारी की। लोकसभा क्षेत्र व चारों विधानसभा क्षेत्र के बारे में जानकारी जुटाई। संगठन की मजबूती व सरकार की योजनाओं के कार्यान्वयन के बारे में पूछताछ की। कहा कि आगामी सभी चुनाव के लिए पदाधिकारी कमर कस लें। इस बैठक में लोकसभा क्षेत्र कोर कमेटी, जिला इकाई के पदाधिकारी व सभी मंडल के अध्यक्ष मौजूद रहे। उसके बाद केंद्रीय मंत्री ने सभी मोर्चा के पदाधिकारियों की बैठक शुरू की। केंद्रीय मंत्री ने पदाधिकारियों को 2024 की तैयारियों के साथ बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती का मंत्र दिया

काकोरी के गुरुदीन खेड़ा में हर लाभार्थी के घर खाली मिला सिलेंडर

प्रधानमंत्री की धुएं से मुक्ति की योजना हो चुकी है धड़ाम

उज्ज्वला योजना की हकीकत

गरीबों के खाते में फिर वही चूल्हा, फिर वही आंसू

» लगातार बढ़ रहे रसोई गैस के दामों ने तोड़ दी कमर नहीं भरवा पा रहे सिलेंडर

» चूल्हे पर खाना बना रहे कई परिवार, महंगाई के चलते सिलेंडर बना शो पीस

□□□ क्षितिज कांत

लखनऊ। केंद्र सरकार ने छह साल पहले गरीबों के लिए उज्ज्वला योजना शुरू की थी, लेकिन यह महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अब महंगाई की भेंट चढ़ चुकी है। प्रधानमंत्री की धुएं से मुक्ति की योजना के तहत गरीब परिवारों ने उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन तो ले लिए लेकिन रसोई गैस सिलेंडर महंगा होने से अधिकांश परिवार वापस चूल्हे या अन्य पारम्परिक संसाधनों पर लौट आए हैं। उज्ज्वला योजना की जमीनी हकीकत यह है कि उत्तर प्रदेश के कई जिलों में जितने भी गरीब परिवार इस योजना का लाभ ले रहे हैं उसमें ही आधे से ज्यादा ने सिलेंडर भरवा नहीं पा रहे है। इसकी सबसे बड़ा कारण वे लोग महंगाई बता रहे हैं, कहते हैं कि सिलेंडर भरवाने की बात छोड़ों, बढ़ती महंगाई में घर का खर्च चलाने के पैसे नहीं, जो थोड़ी बहुत मजदूरी मिलती है, उसमें किसी तरह बच्चों की पढ़ाई व घर का गुजारा ही चल पाता है। 4पीएम की टीम ने जब इसकी पड़ताल की तो हकीकत सामने आ गई।

राजधानी लखनऊ में काकोरी क्षेत्र के गांव गुरुदीन खेड़ा की रहने वाली ममता, सीमा, कंचन सहित कई महिलाएं बताती हैं कि उज्ज्वला योजना के शुरुआत में गैस सिलेंडर फ्री में मिला था लेकिन जैसे-जैसे सिलेंडर के दाम बढ़ते गए वैसे-वैसे वे उज्ज्वला योजना के गैस सिलेंडरों की रीफिलिंग नहीं करा पा रहे हैं। 1100 रुपए का सिलेंडर और ऊपर से महंगाई। यही गांव नहीं बल्कि आसपास के गांवों में भी सैकड़ों परिवार उज्जवला योजना से दूर हो चुके हैं। महिलाएं कहती हैं कि जैसे घास में आकाश से पानी गिरता तो वो हरी हो जाती और जब सूखने लगती तो उसे पानी की जरूरत होती है। वैसे ही हम लोगों के पास सिलेंडर तो हैं जब महंगाई कम होगी तो पैसे बचाकर उसे भरा पाएंगे महिलाओं ने सरकार से मांग की है कि सरकार महंगाई को कम करें ताकि वह अपने गैस के सिलेंडरों को भरवा सके क्योंकि दिहाड़ी मजदूरी करके गरीब परिवार अपना घर चलाता है। ऐसे में इतना महंगा गैस सिलेंडर ले पाना गरीब के बस में नहीं है। वहीं गांव के लोगों का कहना है कि हकीकत यह है कि महंगाई के चलते लखनऊ जिले में हजारों लाभार्थी उज्ज्वला योजना से दूर हो चुके हैं। सरकार को सिर्फ चुनाव जीतने की चिंता रहती हैं गरीबों की नहीं।

भाजपा के संकल्प पत्र में दो मुफ्त सिलेंडर देने का वादा अब तक अधूरा

भाजपा ने यूपी विधान सभा चुनाव 2022 के अपने संकल्प पत्र में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को होली और दीवाली पर निशुल्क सिलेंडर देने का ऐलान किया था। मगर अभी तक संकल्प पत्र का वादा अधूरा है। होली में तो सिलेंडर मिले नहीं अब दीपावली में गरीबों को आस है कि योजना के तहत मुफ्त सिलेंडर मिलेगा। इससे पहले खाद्य व रसद विभाग ने यह प्रस्ताव शासन को भेजा मगर अभी तक मुहर नहीं लगी है। बताया जा रहा है कि प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद वित्त विभाग से बजट जारी किया जाएगा। इसके बाद ही मुफ्त सिलेंडर दिए जाएंगे। दीपावली पर सिलेंडर देने में सरकार पर 3000 करोड़ का भार आएगा।

मोदी सरकार में सिलेंडर के दाम हो गए डबल

गांव गुरुदीन खेड़ा में सब्जी बेचने वाले चमन बताते हैं कि पीएम मोदी ने गरीब परिवारों को चूल्हे पर खाना बनाने से निजात दिलाने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना संचालित कर गरीब परिवारों को फ्री में गैस कनेक्शन उपलब्ध करवाए हैं लेकिन जिस तरह से रसोई गैस के दामों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है उसके चलते योजना के तहत मिले गैस सिलेंडरों को गरीब परिवार नहीं भरवा पा रहा है। ऐसे में वे मिट्टी के चूल्हे पर खाना बनाने को मजबूर हो रहे हैं। वे कहते हैं कि शुरू में सिर्फ फ्री में मिला था उसके बाद गरीब परिवार जैसे-तैसे दो एक बार गैस का सिलेंडर भरा सके हैं लेकिन लगातार गैस के दामों में हो रहे इजाफे के चलते अब गरीब परिवार गैस सिलेंडर भरवाने में पूरी तरह से असमर्थ है। ऐसे में गरीब परिवार की महिलाएं फिर से पुराने ढर्रे पर आ गए हैं और लकड़ी जलाकर चूल्हे पर खाना बनाने को मजबूर हैं। वे बताते हैं कि मोदी सरकार में गैस के दाम बहुत बढ़ गए हैं, डबल हो गए हैं, इतना पैसा उनके पास नहीं है कि वह गैस सिलेंडर को भरवा सकें इसलिए गांव की महिलाएं मजबूरीवश लकड़ियों के सहारे चूल्हे पर खाना बनाने को मजबूर हैं।

क्या है उज्ज्वला योजना

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सहयोग से चलाई जा रही है। इसके तहत गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों को रसोई गैस एलपीजी कनेक्शन निशुल्क दिया जाता है। लाभार्थी को पहला सिलेंडर निशुल्क उपलब्ध कराने के साथ ही चूल्हा भी फ्री में दिया जाता है। इसके साथ लाभार्थी अगर कहीं दूर किराए पर रहता है और स्थायी निवास प्रमाण पत्र नहीं है तो भी उसको इस योजना के तहत गैस कनेक्शन दिया जाता है।

यूपी में पौने दो करोड़ लाभार्थी

केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एक मई 2016 में शुरू हुई थी। योजना के तहत गरीब परिवारों को निशुल्क रसोई गैस कनेक्शन दिए गए थे। इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश में करीब पौने दो करोड़ उज्ज्वला योजना के कनेक्शनधारी परिवार हैं। योजना के पहले चरण में उत्तर प्रदेश में करीब एक करोड़ 47 लाख एलपीजी गैस कनेक्शन दिए गए। वहीं 25 अगस्त 2021 में दूसरे चरण में योगी सरकार ने 20 लाख से ज्यादा नए लाभार्थियों को नया कनेक्शन दिया। तब से अब तक नए कनेक्शन देने का सिलसिला जारी है। अनुमान जताया जा रहा है कि बीते एक साल में प्रदेश में करीब पांच लाख और नए कनेक्शनधारक जुड़ चुके हैं। उज्ज्वला योजना में अब तक करीब पौने दो करोड़ लोगों को लाभ मिल चुका है।

वापस चूल्हे पर लौटे गरीब परिवार

रसोई गैस सिलेंडर के दाम लगातार तेजी से बढ़ रहे है। गैस सिलेंडर 1090 रुपए पर पहुंच गया है। इस महंगाई की मार के चलते उज्ज्वला योजना से जुड़े गरीब परिवार वापस चूल्हे पर लौट आए हैं। उज्ज्वला योजना के तहत मिले गैस सिलेंडर उनके घरों में कबाड़ में पड़े है या फिर पानी की मटकी या अन्य सामान रखने के काम आ रहे हैं। इन गरीब परिवारों में फिर से चूल्हे पर लकड़ियों से खाना बनाया जा रहा है। इसके अलावा अंगीठी यानी सिगड़ी आदि पर लोग खाना बना रहे है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बढ़ता शोर खतरे की घंटी

"देश में शोर भयावह रूप लेता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की ताजा वार्षिक फ्रंटियर्स रिपोर्ट 2022 के मुताबिक यूपी का मुरादाबाद दुनिया का दूसरा सर्वाधिक ध्वनि प्रदूषित शहर है जबकि बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहले पायदान पर है। मुरादाबाद में ध्वनि का स्तर 114 डेसिबल दर्ज किया गया है।

देश में शोर भयावह रूप लेता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की ताजा वार्षिक फ्रंटियर्स रिपोर्ट 2022 के मुताबिक यूपी का मुरादाबाद दुनिया का दूसरा सर्वाधिक ध्वनि प्रदूषित शहर है जबकि बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहले पायदान पर है। मुरादाबाद में ध्वनि का स्तर 114 डेसिबल दर्ज किया गया है। वहीं कोलकाता में ध्वनि का स्तर 89, जयपुर में 84 और दिल्ली में 83 डेसिबल है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्धारित मानक से काफी अधिक है। शोर की यह भयावहता लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचा रही है। सवाल यह है कि लोगों की सेहत के लिए घातक ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठा रही हैं? विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों को दरकिनार क्यों किया जा रहा है? सियासी दलों के एजेंडे से प्रदूषण गायब क्यों है? क्या लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने की छूट किसी को दी जा सकती है? क्या सरकारें समस्या के और विकराल होने का इंतजार कर रही हैं?

देश के नागरिक वायु के साथ ध्वनि प्रदूषण से भी जूझ रहे हैं। उत्तर प्रदेश का मुरादाबाद इसकी एक बानगी भर है। हालात यह हैं कि प्रदेश और देश के कई शहरों में शोर भयावह रूप ले रहा है। ध्वनि प्रदूषण के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार वाहन, उनके हार्न व लाउडस्पीकर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी ध्वनि के स्तर को नियंत्रित करने के लिए गाइडलाइन जारी की है लेकिन इस पर सरकारें कोई ठोस पहल करती नहीं दिख रही हैं। लिहाजा तमाम शहरों में ध्वनि का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से दो गुना हो चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के मुताबिक सड़क यातायात में दिन के समय शोर का स्तर 53 डेसिबल, रेल परिवहन में 54, हवाई जहाज और पवन चक्की चलने के दौरान 45 डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए। इसी तरह लाउडस्पीकर के मानक को भी तय किया गया है। इससे अधिक डेसिबल का शोर स्वास्थ्य के लिए घातक है। लंबे समय तक उच्च स्तर के शोर के संपर्क में रहने से लोगों की सेहत और विकास दोनों प्रभावित होते हैं। यह तनाव पैदा कर रहा है और सुनने की क्षमता को प्रभावित कर रहा है। तेज आवाज के संपर्क में आने से उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ सकता है। इससे याददाश्त में कमी, ध्यान लगाने में परेशानी, पढ़ाई-लिखाई प्रभावित होना आम है। जाहिर है, यदि सरकार ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रण करना चाहती है तो उसे न केवल ध्वनि प्रदूषण अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना होगा बल्कि इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करनी होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

असहनशीलता छोड़ समरसता हो स्वीकार

विश्वनाथ सचदेव

प्रधानमंत्री मोदी जब पहली बार संसद भवन में आये थे तो सबसे पहले उन्होंने दो जगह सिर झुकाया था पहले संसद भवन की सीढ़ियों पर जिसे उन्होंने 'जनतंत्र का मंदिर' कहा था और फिर संसद में रखी देश के संविधान की प्रति पर। तब उन्होंने संविधान को जनतंत्र के 'पवित्र ग्रंथ' की संज्ञा दी थी। अपने संविधान में हम जरूरत के अनुसार जोड़ते-घटाते रहे हैं। सौ से अधिक बार संशोधन हो चुके हैं संविधान में। हां, यह जरूर है कि संविधान में वर्णित नागरिक के मौलिक अधिकारों में कोई परिवर्तन नहीं हो सकता और ऐसा भी कोई बदलाव नहीं हो सकता जिससे मूल-अधिकार प्रभावित हों।

जहां तक संविधान में संशोधन का सवाल है, यह अपेक्षा अवश्य की गयी है कि हमारी विधायिका इस संदर्भ में विवेकशील निर्णय लेगी। विवेक विधायिका, और नागरिकों की भी, सबसे बड़ी कसौटी है। संविधान की बात हम जब भी करें, उसे विवेक के तराजू पर तोला जाना चाहिए। आज फिर संविधान की बात हो रही है। संविधान की रक्षा की बात की जा रही है, संविधान के शासन की दुहाई दी जा रही है। विश्व हिंदू परिषद और कई हिंदू संगठनों ने राजधानी दिल्ली और कुछ अन्य स्थानों पर 'शांति-मार्च' आयोजित करके संविधान के शासन की मांग की है। उनका कहना है कि हमारा देश सांविधानिक व्यवस्था में विश्वास करता है। देश में देश का ही कानून चलेगा, शरीयत या किसी और व्यवस्था के अनुसार देश को चलाने की कोशिशों को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जायेगा। इसकी आवश्यकता पिछले एक अर्से से देश में धर्म की रक्षा और आहत भावनाओं के नाम पर चल रही गतिविधियों के परिप्रेक्ष्य में अनुभव की जा रही है। ताजा संदर्भ उदयपुर और अमरावती में हुई नृशंस हत्याओं का है। इसके साथ ही हिंदू देवी-देवताओं के अपमान की बात भी है। ऐसी हत्याओं और धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ की कोशिशों का समर्थन किसी भी दृष्टि से नहीं किया जा सकता। दोषियों को दंड मिलना ही चाहिए। फिर भले ही वे किसी भी धर्म के मानने वाले हों। हमारा धर्म-निरपेक्ष संविधान देश में सभी धर्मों को समान रूप से देखने का अधिकार और अवसर देता है। किसी की भी धार्मिक भावनाओं को आहत करने को हमारा संविधान दंडनीय अपराध मानता है। 'सिर धड़ से अलग' और देवी-देवताओं को अपमानित करने वाले नारों के लिए हमारी न्याय-व्यवस्था में कोई जगह नहीं है। यही बात उनपर भी लागू होती है जो हिंदू राष्ट्र के नाम पर गैर हिंदुओं, विशेषकर मुसलमानों के विरुद्ध गरजते रहते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि देश में कटुता की जिस आंधी को चलाने की कोशिश हो रही है, देश का विवेकशील तबका उसे सफल नहीं होने देगा। इस तबके में हर मजहब , हर जाति, हर वर्ग के लोग शामिल हैं। यह देश सबका है। यहां धर्म के नाम पर किसी को कोई विशेषाधिकार नहीं मिला हुआ है, और न ही ऐसा कोई अधिकार किसी को दिया जा सकता है। जब हम संविधान की रक्षा या संविधान के शासन की बात करते हैं तो यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि हमारा संविधान किन जीवन-मूल्यों को रेखांकित करता है। हमारे प्रधानमंत्री ने जिस संविधान के समक्ष सिर झुका कर उसे 'पवित्र ग्रंथ' की संज्ञा दी थी, वह संविधान हर नागरिक की समानता की बात करता है, हर व्यक्ति को अपने विश्वासों के अनुसार जीने का अधिकार देता है। कुछ भी और होने से पहले हम सब भारतीय हैं। और इस नाते इस देश का हम पर और हमारा इस देश पर समान अधिकार है। देश पर अधिकार समान है तो देश के प्रति कर्तव्य भी समान ही हैं। समान अधिकार और समान कर्तव्य की इस बात को भुलाये जाने का मतलब देश के संविधान को नकारना है। जब हम संविधान के शासन की बात करते हैं तो इसका सीधा-सा मतलब यह है कि हम उन सारी व्यवस्थाओं को स्वीकार करते हैं, जो हमने संविधान के अंतर्गत स्वयं अपने लिए निर्धारित की हैं। संविधान की इन व्यवस्थाओं का हर कीमत पर सम्मान होना चाहिए। भारत माता की जय का नारा किसी धर्म-विशेष से जुड़े नागरिकों का ही नहीं है और न ही यह नारा लगाकर कोई अपने आप को 'अधिक भारतीय' होने का दावेदार मान सकता है। जब हम जय हिंद करते हैं तो हम हर भारतीय की जय का संकल्प लेते हैं और इस जय का मलतब है हर भारतीय को, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का हो, देश में सिर ऊंचा उठाकर जीने की आज़ादी है, अधिकार है। हर भारतीय को इस अहसास के साथ जीने का अधिकार है कि उसे देश के संविधान का पूरा संरक्षण प्राप्त है। आज हिंदुओं या मुसलमानों को जगाने की नहीं, हर भारतीय को जगाने की आवश्यकता है, देश के संविधान के प्रति निष्ठावान रहने की आवश्यकता है। संविधान का मतलब असहनशीलता का बहिष्कार, धर्म-निरपेक्षता का स्वीकार है।

बढ़ती आबादी पर अंकुश जरूरी

शोभा सूरी

जनसंख्या के मामले में भारत अगले साल यानी 2023 में चीन से आगे निकल जायेगा। पूर्ववर्ती अनुमानों में संभावना जतायी गयी थी कि ऐसा 2027 तक होगा, पर अब यह उससे चार साल पहले होता दिख रहा है। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट में यह रेखांकित किया गया है। निश्चित रूप से बहुत अधिक आबादी भारत के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। जनसंख्या वृद्धि स्वास्थ्य एवं सामाजिक विकास समेत विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित करती है। इससे गरीबी और खाद्य असुरक्षा में बढ़ोतरी हुई है क्योंकि समुचित भोजन तक पहुंच एवं उसकी पर्याप्त उपलब्धता का अभाव है। स्वास्थ्य सेवा लचर होने और पहुंच से बाहर होने के चलते बीमारियां भी बढ़ी हैं। अधिक आबादी पहले से ही दबाव झेल रही स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का बोझ और बढ़ा देती है। देश कुछ सालों से पेयजल उपलब्धता को लेकर भी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

जनसंख्या बढ़ने से पीने के साफ पानी की भी कमी होती है। ये सभी समस्याएं हमारी आंखों के सामने बद से बदतर होती जा रही हैं। दूसरी गंभीर चुनौती लैंगिक भेदभाव की है। देश में लिंगानुपात का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। प्रति 1000 लड़कों पर 940 लड़कियां हैं। देश की जनसंख्या का बहुत बड़ा हिस्सा गरीबी की चपेट में है। जाहिर है कि अगर आबादी बढ़ती है तो गरीबों की संख्या में भी वृद्धि होती है। गरीबी बढ़ने के साथ कुपोषण और शारीरिक अक्षमता में भी बढ़ोतरी होती है। बढ़ती आबादी के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर मुहैया करा पाना उत्तरोत्तर मुश्किल होता जाता है। संसाधनों के अभाव में हर किसी को कौशलयुक्त बना पाना आसान काम नहीं है। इसका नतीजा यह होता है कि समूचे तंत्र पर दबाव बढ़ता जाता है और काम नहीं मिल पाता है। जब लोगों के पास आमदनी नहीं होती तो वे बेहद कठिन परिस्थितियों में जीने को मजबूर होते हैं. ऐसे में स्वाभाविक रूप से अपराध बढ़ते हैं और युवाओं में आपराधिक व्यवहार हावी होने लगता है। जीवन के हर क्षेत्र में तकनीक का इस्तेमाल तेजी से बढ़ता जा रहा है।

इसके कारण रोजगार के पुराने तौर-तरीके भी बदलते जा रहे हैं और बहुत से लोग रोजगारविहीन जीवन जीने के लिए बाध्य हो रहे हैं। जनसंख्या वृद्धि का सीधा संबंध कई सामाजिक समस्याओं, जैसे-निरक्षरता, बाल विवाह और अधिक लड़के पैदा कर अधिक आमदनी जुटाने जैसे रूढ़िगत सोच आदि से भी है। इसका स्वाभाविक परिणाम मुद्रास्फीति और उत्पादन की लागत में उछाल के रूप में देश के सामने है। यही स्थिति आवास और अन्य बुनियादी ढांचों की उपलब्धता के मामले में है। हमारी विकासशील अर्थव्यवस्था में मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर आबादी का बोझ उठाने में असफल रहे हैं। बस्तियों में आबादी घनी हो रही है तथा शहरों का बड़ा हिस्सा झुग्गियों में तब्दील हो रहा है। इससे प्राकृतिक संसाधनों, खासकर पानी की खपत में भी बड़ी तेजी आयी है। इसके अलावा, बहुत अधिक आबादी यातायात, शिक्षा, संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं पर भी बोझ बढ़ाती है। आबादी के लिए भोजन और पानी की बढ़ती मांग की आपूर्ति के लिए अधिक जमीन और जल स्रोतों के दोहन की जरूरत पड़ती है।

हमारे देश में वन भूमि पर अतिक्रमण कर उस पर खेती का चलन बढ़ता जा रहा है। इसी तरह भूजल का भी बेतहाशा दोहन हो रहा है। अधिक उपज के लिए रसायनों का इस्तेमाल भी चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुका है। खाद्य उत्पादन और उपभोग को बढ़ाने के प्रयासों को भी जनसंख्या में तेज बढ़ोतरी, ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर शहरों की ओर पलायन, आसमान भूमि वितरण और बढ़ते भू-क्षरण से बड़ा झटका लगा है। सार्वजनिक स्वास्थ्य की समस्याओं का आधारभूत कारण अधिक जनसंख्या है। भारत मृत्युदर को कम कर पाने में कामयाब रहा है, पर जन्मदर के मामले में बहुत संतोषजनक परिणाम नहीं आ सके हैं। स्वास्थ्य पर आबादी के असर का एक आयाम वायु प्रदूषण में बढ़ोतरी भी है, जो जानलेवा बीमारियों और संक्रमणों का कारण बनता जा रहा है। असंतुलित वृद्धि से यौन रोगों के बढ़ने का खतरा भी है क्योंकि सुरक्षित गर्भ निरोधकों तक पहुंच कम हो जाती है।

वनों का क्षरण और पारिस्थितिकी का नुकसान, वायु और जल प्रदूषण का बढ़ना, अधिक शिशु मृत्युदर और अत्यधिक गरीबी के कारण भूख जैसी बेहद गंभीर समस्याएं अधिक जनसंख्या का परिणाम हैं। इससे जनसांख्यिक लाभांश भी कम होता जा रहा है और मानव संसाधन एवं युवाओं में कौशल की कमी भी हो रही है। ऐसे में आबादी का बड़ा हिस्सा बेहद खराब स्थितियों में जीवन जीने के लिए विवश होता है। भविष्य में ये चुनौतियां और विकराल हो सकती हैं। ऐसे में हमें जनसंख्या वृद्धि के प्रभावों, खासकर स्वास्थ्य पर, के बारे में व्यापक जागरूकता फैलाने पर ध्यान देना चाहिए। जन्म नियंत्रण और परिवार नियोजन के बारे में कदम उठाने के साथ उसके बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। ठोस नीतिगत पहले अधिक आबादी और स्वास्थ्य के बढ़ते खतरे के दुश्चक्र को तोड़ने में मददगार हो सकती हैं। बच्चों की संख्या दो तक सीमित करने पर जोर दिया जाना चाहिए। जनसंख्या नियंत्रण के लिए सामाजिक और आर्थिक उपायों की आवश्यकता है। बाल विवाह पर रोक और शादी की न्यूनतम आयु बढ़ाना, महिला सशक्तीकरण, रोजगार व शिक्षा तथा सामाजिक सुरक्षा का विस्तार, स्वास्थ्य बीमा आदि पर ध्यान दिया जाना चाहिए। बेहतर जीवन स्तर और शहरीकरण आबादी रोकने में सहायक सिद्ध हुए है।

कांवड़ यात्रा महादेव

भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं

सावन माह की शुरुआत के साथ कांवड़ यात्रा शुरू हो गई है। यह शिवभक्तों के लिए खास माह होता है। मान्यता है कि सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा अर्चना करने से भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं। भगवान शिव को प्रसन्न करने व उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए लाखों श्रद्धालु कांवड़ यात्रा निकालते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान शिव भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

यात्रियों को कहते हैं कांवड़िया

यात्रा शुरू करने से पहले भक्त बांस की लकड़ी पर दोनों ओर टिकी हुई टोकरियों के साथ किसी पवित्र स्थान पर पहुंचते हैं। इन्हीं टोकरियों में गंगाजल लेकर लौटते हैं। इस कांवड़ को यात्रा के दौरान अपने कंधे पर रखकर यात्रा करते हैं, इस यात्रा को कांवड़ यात्रा और श्राद्धलुओं को कांवड़िया कहा जाता है।

कांवड़ यात्रा का इतिहास

कहा जाता है कि भगवान परशुराम भगवान शंकर के परम भक्त थे। मान्यता है कि वे सबसे पहले कांवड़ लेकर बागपत जिले के पास पुरा महादेव गए थे। उन्होंने गढ़मुक्तेश्वर से गंगा का जल लेकर भोलेनाथ का जलाभिषेक किया था। उस समय सावन महीना था। इसी परंपरा को निभाते हुए श्रद्धालु सावन मास में कांवड़ यात्रा निकालने लगे।

कांवड़ यात्रा के नियम

हिंदू धर्म के अनुसार, कांवड़ियों को एक साधु की तरह रहना होता है। गंगाजल भरने से लेकर उसे शिवलिंग पर अभिषेक करने तक का सफर नंगे पांव करते हैं। यात्रा के दौरान किसी भी तरह के मांसाहार की मनाही होती है। इसके अलावा किसी को अपशब्द नहीं बोला जाता। इसके अलावा चारपाई, बेड आदि पर बैठने की मनाही होती है।

22 से 27 के बीच रहेगी अधिक भीड़

कांवड़ यात्रा भले ही गुरुवार से शुरू हो गई हो लेकिन अधिक भीड़ 22 जुलाई से 27 जुलाई के बीच रहने की संभावना है। 26 जुलाई को शिवरात्रि के मौके पर वाराणसी में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है। ऐसे में 26 जुलाई के लिए विशेष प्रबंध करने के निर्देश स्थानीय पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों को दिए गए हैं।

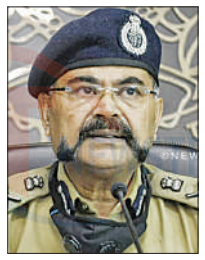

"प्रशांत कुमार ने बताया कि सुरक्षा प्रबंध के लिए पूरे इंतजाम किए जा रहे हैं। पीएसी की 150 से अधिक कंपनियों को सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगाया गया है। इसके अलावा केंद्र से 20 कंपनी केंद्रीय अर्ध सैनिक बल की मांग की गई है। 11 कंपनी फोर्स उपलब्ध भी करा दी गई है, जिसे संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया जा रहा है। वहीं कांवड़िए के भेष में कोई अराजक तत्व शामिल न हों, इस पर भी निगाह रखी जाएगी। इसके निर्देश भी जिलों के अफसरों को दिए गए हैं।

हंसना मना है

एक पिता अपनी बेटी के लिए लड़का देखने गया। उन्होंने लड़के के पिता से पूछा- छोरो काई करे है? लड़के का पिता- सीए है। उन्होंने पूछा, छोरा की बहन काई करे है? लड़के का पिता- बा भी सीए है। उन्होंने फिर पूछा- छोरा की मां काइ करे है? लड़के का पिता- बा भी सीए है। उन्होंने फिर पूछा- अरे वाह! सब सीए हैं, मतलब आप भी सीए ही होंगे? लड़के का पिता- ना ना मैं तो घाघरा...चोली कटिंग करूं। ये सब लोग सीए हैं।

सोनू मोनू से- यार तुमने कभी ये सोचा है कि दवाई के पैकेट में 10 दवा ही क्यों होती है? मोनू- पता नहीं यार? सोनू- मुझे पता, बोलो तो बता दूं मोनू- जल्दी बता भाई सोनू- 10 टेबलेट की यह प्रथा तब चालू करवाई गई थी, जब रावण को सिरदर्द हुआ था।

लड़की- तुम मेरे लिए कुछ भी नहीं करते लड़का- अरे जानू, तेरे लिए तो मैं उस ऊपरवाले से भी लड़ लेता, पर सोचता हूं अभी एग्जाम वाला टाइम है तो पंगा नहीं लेने का।

पिता ने अपने बेटे को जीन्स का बटन टांकते हुए देखा और बोले- बेटा, हमने तुम्हारी शादी करवाई, बहू घर लाए फिर भी तुम अपने बटन खुद टांक रहे हो? बेटा- पिता जी आप गलत सोच रहे हैं, ये जीन्स उसकी ही है।

कहानी | रंग-बिरंगे नाखून

राजा कृष्णदेव राय पशु-पक्षियों से बहुत प्यार करते थे। एक दिन एक बहेलिया राजदरबार में आया। उसके पास पिंजरे में एक सुंदर व रंगीन विचित्र किस्म का पक्षी था। वह राजा से बोला, महाराज, इस सुंदर व विचित्र पक्षी को मैंने कल जंगल से पकड़ा है। यह बहुत मीठा गाता है तथा तोते के समान बोल भी सकता है। यह मोर के समान रंग-बिरंगा ही नहीं है बल्कि उसके समान नाच कर भी दिखा सकता है। मैं यहां यह पक्षी आपको बेचने के लिए आया हूं। राजा ने पक्षी को देखा और बोले, हां, देखने में यह पक्षी बहुत रंग-बिरंगा और विचित्र है। तुम्हें इसके लिए उपयुक्त मूल्य दिया जाएगा। राजा ने बहेलिए को 50 स्वर्ण मुद्राएं दीं और उस पक्षी को अपने महल के बगीचे में रखवाने का आदेश दिया। तभी तेनालीराम अपने स्थान से उठा और बोला, महाराज, मुझे नहीं लगता कि यह पक्षी बरसात में मोर के समान नृत्य कर सकता है बल्कि मुझे तो लगता है कि यह पक्षी कई वर्षों से नहाया भी नहीं हैं। तेनालीराम की बात सुनकर बहेलिया डर गया और दुखी स्वर में राजा से बोला, महाराज, मैं एक निर्धन बहेलिया हूं। पक्षियों को पकड़ना और बेचना ही मेरी आजीविका है। अतः मैं समझता हूं कि पक्षियों के बारे में मेरी जानकारी पर बिना किसी प्रमाण के आरोप लगाना अनुचित है। यदि मैं निर्धन हूं तो क्या तेनालीजी को मुझे झूठा कहने का अधिकार मिल गया है। बहेलिए की यह बात सुन महाराज भी तेनालीराम से अप्रसन्न होते हुए बोले, तेनालीराम, तुम्हें ऐसा कहना शोभा नहीं देता। क्या तुम अपनी बात सिद्ध कर सकते हो? मैं अपनी बात सिद्ध करना चाहता हूं, महाराज। यह कहते हुए तेनालीराम ने एक गिलास पानी पक्षी के पिंजरे में गिरा दिया। पक्षी गीला हो गया और सभी दरबारी पक्षी को आश्चर्य से देखने लगे। पक्षी पर गिरा पानी रंगीन हो गया और उसका रंग हल्का भूरा हो गया। राजा तेनालीराम को आश्चर्य से देखने लगे। तेनालीराम बोला, महाराज यह कोई विचित्र पक्षी नहीं है बल्कि जंगली कबूतर है। परंतु तेनालीराम तुम्हें कैसे पता लगा कि यह पक्षी रंगा गया है? महाराज, बहेलिए के रंगीन नाखूनों से। पक्षी पर लगे रंग तथा उसके नाखूनों का रंग एक समान है। अपनी पोल खुलते देख बहेलिया भागने का प्रयास करने लगा, परंतु सैनिकों ने उसे पकड़ लिया। राजा ने उसे धोखा देने के अपराध में जेल में डाल दिया और उसे दिया गया पुरस्कार अर्थात 50 स्वर्ण मुद्राएं तेनालीराम को दे दी गई।

5 अंतर खोजें

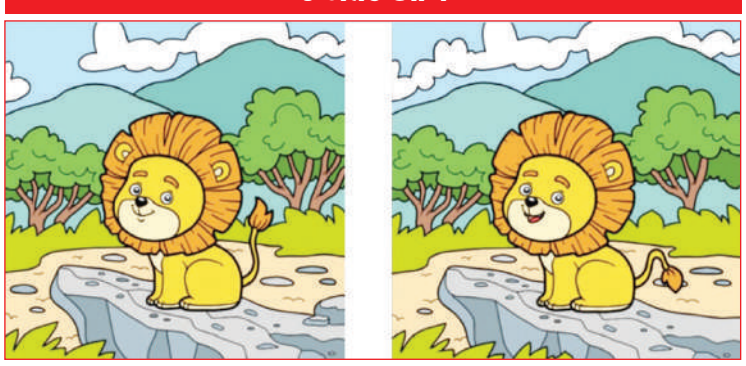

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
सेहत संबंधी मामलों को छोड़कर, आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली है। आपकी मां और आपके बच्चों का स्वास्थ्य भी आपको कुछ परेशान कर सकता है।

वृषभ
आज आपका दिन खुशी से भरा रहेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। ऑफिस में कुछ दोस्तों के सहयोग से आपका प्रोजेक्ट पूरा होगा।

मिथुन
आज दैनिक कार्यों में दिन बीतेगा। परिजनों का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क
आज रोजमर्रा के कामों में मन नहीं लगेगा। मन में आती कुछ बातें आपको दुखी कर सकती हैं। आप अति उत्साह और जल्दबाजी में कोई काम बिगाड़ भी सकते हैं।

सिंह
आप एक महत्वाकांक्षी योजना में प्रवेश कर सकते हैं। यदि आप एक साझेदारी या संघ में प्रवेश करना चाहते हैं तो सकारात्मक विकास संभव है।

कन्या
आज आपका दिन उत्तम रहेगा। रास्ते में किसी करीबी दोस्त से आपकी मुलाकात हो सकती है। ऑफिस में काम करते समय बचपन की कोई याद ताजा हो सकती है।

तुला
आज आप काल्पनिक दुनिया में ही दिन व्यतीत करेंगे। सृजनात्मक शक्ति को भी उचित दिशा मिल जाएगी। खुला व्यवहार लोगों को अखरेगा। पिता का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक
मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी। कामकाज का टेंशन भी बढ़ सकता है। पुराने मुद्दे न उठाएं। प्रेम जताने में संकोच न करें। सावधान रहे।

धनु
आज आप अत्यधिक आशावादी न बनें। सतर्क रहने का प्रयास करें। तीव्र प्रगति के बावजूद आपको धीरे-धीरे आगे बढ़ने और व्यवस्थित रूप से काम करने की आवश्यकता है।

मकर
आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। आप अपने सहपाठियों के साथ कहीं बाहर घूमने का प्लान बना सकते हैं।

कुम्भ
आज परिवारजनों और मित्रों के साथ खान-पान का आयोजन होगा। सेहत अच्छी रहेगी। धैर्यशीलता में कमी रहेगी। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मीन
बिजनेस में फायदा कुछ कम होगा। ट्रांसफर की स्थिति बन सकती है या ऐसी कोई खबर भी आपको मिल सकती है। नौकरी और कारोबार में पैसों का मामला उलझ सकता है।

मां के इलाज के लिए ड्रग डीलर बनीं जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर की फिल्म गुडलक जेरी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस उत्सुकता को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने फिल्म का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि फिल्म में एक्ट्रेस को काफी और दमदार रोल में देखा जाने वाला है। इस बार जाह्नवी ड्रग डीलर के किरदार में नजर आ रही हैं। गुडलक जेरी एक ऐसी लड़की जया कुमारी यानि जेरी (जाह्नवी कपूर) की कहानी है जो अपने परिवार की आर्थिक तंगी से परेशान है और उनसे बहुत कम समय में बहुत ज्यादा पैसे चाहिए ताकि वह अपनी मां का इलाज करवा सके। जया की सीधी-सिंपल सी जिंदगी में भूचाल ही आ जाता है जब उसे पता चलता है कि उसकी मां लंग कैंसर की दूसरी स्टेज पर है।

जया अपनी मां का इलाज करवाने के लिए काम की तलाश में मुबंई पहुंच जाती हैं और यहां आकर वह पैसों के लिए कोई भी काम करने को तैयार हो जाती हैं। परेशानियों में फंसी जया का सामना ड्रग्स माफिया से होता है। वह इतनी बुरी तरह इन लोगों के चंगुल में फंस जाती है कि जेरी, पुलिस और ड्रग माफिया के बीच चूहे-बिल्ली का खेल शुरू हो जाता है। ट्रेलर में ही जाह्नवी ने अपनी एक्टिंग से दिल जीत लिया है। सिद्धार्थ सेन के निर्देशन में बनी इस फिल्म को आनंद एल राय ने प्रोड्यूस किया है। इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाने वाला है। फिल्म 29 जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म में जाह्नवी कपूर के साथ दीपक डोबरियाल, मीता वशिष्ठ, नीरज सूद और सुशांत जैसे सितारे भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं।

काजल के कमरे में खिड़की से घुस गए खेसारी लाल

भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव का नाम बच्चा-बच्चा पहचानता है। खेसारी लाल यादव अपनी दमदार पर्सनैलिटी के लिए जाने जाते हैं। खेसारी लाल यादव भोजपुरी जगत के वह नामी चेहरे हैं जो आज भोजपुरी जगत में ही नहीं बल्कि छोटे पर्दे पर भी खूब नाम कमा रहे हैं। वहीं खेसारी लाल यादव की बेस्ट जोड़ी सिर्फ और सिर्फ काजल राघवानी के साथ जमती है और इनकी दमदार केमिस्ट्री को देख दर्शक भी इनके कायल हो चुके हैं। इन दिनों खेसारी और काजल का एक गाना खूब चर्चा में है। इस गाने का टाइटल सरसों के सगिया रखा गया है। गाने की शुरुआत होती है काजल राघवानी के साथ। काजल राघवानी अपने बिस्तर पर लेटी हुई किताब पढ़ रही हैं। उसी समय काजल रघवानी के कमरे की खिड़की से खेसारी लाल यादव की एंट्री होती है। काजल को खिड़की से निहारते खेसारी उनके सपनों में डूब जाते हैं और सपनों में ही एक धमाकेदार गाने की महफिल जमा देते हैं। खेसारी लाल यादव और काजल राघवानी का यह गाना 4 साल पहले भोजपुरिया वर्ल्ड पर रिलीज किया गया था। इस गाने को 53 मिलियन से भी ज्यादा बाहर देखा जा चुका है। यह शानदार गाना फिल्म मेहंदी लगा के रखना का है। गाने के लिरिक्स प्यारे लाल यादव ने लिखे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

अब 24 इंच कमर पर नहीं टैलेंट पर मिलता है काम : काजोल

काजोल अपने बिंदास अंदाज के लिए काफी पॉपुलर हैं। वह हर मुद्दे पर बेधड़क अपनी राय देती हैं। काजोल ने अब ओटीटी प्लेटफॉर्म की तारीफ करते हुए कहा कि इस प्लेटफॉर्म ने कई एक्टर्स का गेम चेंज किया है। इसके साथ एक्ट्रेस ने बॉलीवुड का फिजिकल अपीयरेंस को लेकर ऑबसेशन को लेकर भी बात की। काजोल ने कहा कि पहले फिल्मों का सक्सेसफुल होना आसान था क्योंकि सिनेमहॉल ही एंटरटेनमेंट का एक माध्याम था। हालांकि एक्ट्रेस को अब लगता है कि ओटीटी ने अब गेम काफी बदल दिया है। कई एक्टर्स को एक्सपोजर करने को मिल रहा है और आज सभी के पास काम है। काजोल ने कहा कई ऐसे शानदार एक्टर्स हैं जिन्हें स्टेज मिला और प्लेटफॉर्म मिलने पर वे अपना टैलेंट दिखा रहे हैं। वो अपने हक से स्टार्स बन रहे हैं भले ही उनकी कमर 24 इंच नहीं हो या छाती 36 या 46 नहीं है। काजोल ने कहा, पहले वहीं लोग फेमस होते थे जो बड़े पर्दे पर नजर आते थे। अब आप किसी भी चीज के लिए फेमस हो सकते हो, अपने बाल बनाने के तरीके से या नाखून। फेम शब्द आजकल बहुत आम हो गया है। काजोल ने कहा, कई लोग सोशल मीडिया पर अपनी पूरी जिंदगी दिखा देते हैं और 24 घंटे यही करते हैं। हालांकि बाद में काजोल ने क्लीयर करते हुए कहा, कहती हैं कि वह इस चीज की बुराई नहीं कर रही हैं। ये अच्छी बात है कि वे अपना समय और एनर्जी को इतना बांटते हैं लेकिन इससे स्टार्डम भी गिरता है। अगर आप किसी को सोशल मीडिया पर दिखोगे तो कोई आपको देखने स्क्रीन पर क्यों जाएगा। काजोल ने हाल में अपनी फिल्म गुप्त के 25 साल पूरे होने का सेलिब्रेशन किया है। मुंबई में फिल्म की सिल्वर जुबली थी जिसमें वह और बॉबी देओल शामिल हुए थे। अब काजोल फिल्म सलाम वेन्की में नजर आने वाली हैं।

ये है दुनिया का सबसे अनोखा मेला जहां हर सामान मिलता है मुफ्त

दुनियाभर में कहीं भी आपको कोई भी चीज मुफ्त में नहीं मिल सकती। हर चीज के लिए कुछ न कुछ पैसा चुकाना ही पड़ता है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां हर सामान बिना पैसों के मिलता है। ये बात भले ही आपको सच न लगे लेकिन यकीनन ये बात बिल्कुल सच है। दरअसल, असम के मोरीगांव जिले में जूनबिल क्षेत्र में एक मेला लगता है। यहां हर सामान मुफ्त में मिलता है। बता दें कि इस मेले में पहाड़ी जनजातियां और मैदानी जनजातियां बड़ी संख्या में पहुंचती हैं। जो अपना सामान बेचने के लिए इस मेले में आती हैं। ये मेला हर साल तीन दिन के लिए लगता है। दुनियाभर में इस तरह की परंपरा के अनुसार आयोजित होने वाला यह मेला अपने आप में अनोखा मेला है। बता दें कि इस मेले की खासियत है कि इसमें आधुनिक मुद्रा यानि पैसे का चलन नहीं है। यहां सामान की खरीददारी कीमत तय करने के बाद सामानों की अदला-बदली से की जाती है। दोपहर के वक्त पहाड़ों से आने वाली जनजातियां अपने सामानों को मेला में लेकर पहुंचती हैं। इन जनजातियों को यहां पर आम बोलचाल में मामा-मामी के नाम से जाना जाता है। ये मेला पिछले पांच सौ साल से ऐसे ही चला आ रहा है। जिसमें जनजातियों के समागम के रूप में देखा जा सकता है। इस मेले में पहाड़ी जनजातियों और मैदानी लोगों के बीच कृषि जनित सामग्रियों की खरीद-फरोख्त होती है। इस मेले में मुख्य रूप से अदरख, कच्ची हल्दी, कुम्हड़ा के साथ ही मैदानी इलाकों के लोग पीठा, लड्डू, सूखी मछली समेत अन्य सामग्रियों की अदला-बदली करते हैं। इस मेले में जोनबिल यानी झील में सामूहिक मछली पकड़ने की भी परंपरा निभाते हैं। मेला के आखिरी दिन ऐतिहासिक गोभा राजा का राज दरबार लगाया जाता है। जिसमें सभी जाति-जनजाति, धर्म के लोग हिस्सा लेते हैं।

अजब-गजब | दिलचस्प है कहानी

भयानक दांत होने के बाद भी मगरमच्छ नहीं चबाता अपना शिकार ?

पानी में रहने वाला सबसे खतरनाक शिकारी है मगरमच्छ। ये अपने शिकार को देखते ही इतनी तेज़ी से उसे लपक लेता है कि ज्यादातर वक्त उसका बचना नामुमकिन हो जाता है। अपने नुकीले दांतों से मगरमच्छ अपना शिकार दबोचता ज़रूर है लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि वो इसके बाद अपने दांत का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं करता मगरमच्छ अपने शिकार को दांतों और जबड़ों की सहायता से फंसाकर दबाता है और सीधा हलक से नीचे उतार लेता है। वो बाकी दांत वाले जानवरों की तरह उसे चबा-चबाकर नहीं खाता। सुनने में ये अजीब है लेकिन सच है कि मगरमच्छ के दांत उसको खाने में मदद नहीं देते। वो सिर्फ उसके जबड़े को इतना मजबूत बना देते हैं कि वहां फंसने के बाद शिकार का बच निकलना असंभव हो जाता है।

मगरमच्छ क्यों नहीं चबाता शिकार?

दरअसल, इस भयानक जानवर के मुंह में दांत तो होते हैं लेकिन उनकी संरचना ऐसी होती है कि वे शिकार को दबोच तो सकते हैं लेकिन चबाकर खा नहीं सकते। यही वजह है कि वे शिकार को दबाने के बाद सीधा मुंह में निगल जाते हैं। आपको ये जानकर भी हैरानी होगी कि मगरमच्छ के चार पेट होते हैं, जहां से शिकार को तोड़-मरोड़कर पहुंचाता है। मगरमच्छ के पेट में दूसरे जानवरों से कहीं ज्यादा गैस्ट्रिक एसिड होता है, जो खाने को पचाता है। मियामी साइंस म्यूज़ियम के एक्सपर्ट्स के मुताबिक ऑस्ट्रिच की तरह मगरमच्छ भी छोटे-छोटे कंकड़-पत्थर खाता है ताकि ये पेट में खाने को ग्राइंड कर सकें।

विशेषज्ञ बताते हैं कि मगरमच्छ अगर कोई बड़ा शिकार कर लेता है, तो उसे अगले कुछ दिन तक कुछ भी खाने की ज़रूरत नहीं पड़ती क्योंकि ये भोजन उसके पेट में धीरे-धीरे 10 दिन तक पचता है और वो शांत बैठा रहता है। मादा मगरमच्छ एक बार में 12-48 अंडे देती है, जिन्हें हैच करने के लिए उन्हें 55-100 दिन का वक्त लगता है। वे पैदा होते ही 7-10 इंच लंबे होते हैं लेकिन इन्हें बड़े होने में 4-15 साल का वक्त लग जाता है। इनकी जिंदगी इनकी प्रजाति पर निर्भर करती है। कुछ मगर 40 तो कुछ 80 साल तक भी जिंदा रह सकते हैं।

आलोचनात्मक शब्दों पर नहीं, अलोकतांत्रिक कार्यों पर लगना चाहिए प्रतिबंध : अखिलेश

असंसदीय शब्दों को लेकर जारी नई बुकलेट पर सपा प्रमुख ने केंद्र सरकार को घेरा

» प्रतिबंधों से मुक्ति की ओर बढ़ना ही स्वस्थ लोकतंत्र की होती है उपलब्धि

» आलोचना ही सार्थक संसद की होती है प्राणवायु

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा सचिवालय द्वारा असंसदीय शब्दों पर जारी नई बुकलेट को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध आलोचनात्मक शब्दों पर नहीं अलोकतांत्रिक कामों पर लगना चाहिए।

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही में हिस्सा लेने वाले सांसद अब चर्चा के दौरान जयचंद, भ्रष्ट, पाखंड, जुमलाजीवी, घड़ियाली आंसू जैसे शब्द का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। इसको लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा है। अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, प्रतिबंध आलोचनात्मक शब्दों पर नहीं, अलोकतांत्रिक कार्यों पर लगना चाहिए। आलोचना ही सार्थक संसद की प्राणवायु होती है। प्रतिबंध सत्ता के अपराधबोध से उपजते हैं। शनै: शनै: प्रतिबंधों से मुक्ति की ओर बढ़ना ही एक स्वस्थ लोकतंत्र की उपलब्धि होती है। निंदनीय (अगर ये प्रतिबंधित नहीं है)। दरअसल, संसद के मानसून सत्र से पहले लोक सभा सचिवालय ने असंसदीय शब्दों को लेकर नई बुकलेट जारी की है। इसमें जुमलाजीवी, बाल बुद्धि, कोविड स्प्रेडर और स्नूपगेट, यहां तक आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले शर्म, दुर्व्यवहार, विश्वासघात, भ्रष्ट, ड्रामा, पाखंड और अक्षम जैसे शब्द भी अब लोक सभा और राज्य सभा में असंसदीय माने जाएंगे। इनके शब्दों के अलावा शकुनि, जयचंद, लॉलीपॉप, चांडाल चौकड़ी, गुल खिलाए, पिट्ठू आदि जैसे शब्दों का भी दोनों सदनों में इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। गौरतलब है कि असंसदीय शब्दों की जारी नई बुकलेट को लेकर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना भी केंद्र की भाजपा सरकार पर हमलावर है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि भाजपा विपक्ष द्वारा संसद में इस्तेमाल किए जाने वाले शब्दों को प्रतिबंधित कर भारत को नष्ट कर रही है और विपक्ष को संसद में बोलने से रोकने की कोशिश कर रही है।

बिहार : विधायक अनंत सिंह की विधान सभा सदस्यता समाप्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मोकामा से बाहुबली विधायक अनंत सिंह की विधायकी समाप्त कर दी गई है। बिहार विधान सभा की ओर से इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिसूचना में अनंत सिंह की विधान सभा सदस्यता समाप्त करने की बात कही गई है। एके -47 बरामदगी मामले में अनंत सिंह को विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने 10 साल कैद की सजा सुनाई थी। बिहार विधान सभा ने इस बाबत औपचारिक तौर पर अधिसूचना जारी कर दी है।

जेल में बंद अनंत सिंह के घर से पुलिस ने एके-47 राइफल और हैंड ग्रेनेड बरामद किया था। अनंत सिंह मोकामा से विधायक थे इसलिए उनसे जुड़ा केस एमपी-एमएलए कोर्ट को ट्रांसफर कर दिया गया था। बाद में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। अनंत सिंह के खिलाफ उसी वक्त से यह मामला चल रहा था। विशेष कोर्ट ने अनंत सिंह को 10 साल कैद की सजा सुनाई थी।

स्वतंत्रता सप्ताह में हर घर पर फहराएं तिरंगा, न मनाने जाएं छुट्टी : मिश्र

» मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने गैर सरकारी संगठनों के साथ की बैठक

» शहीदों के परिजनों को किया जाएगा सम्मानित होंगे कई कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा है कि भारत की आजादी के अमृत पर्व पर आयोजित इस बार का स्वतंत्रता दिवस विशेष है। इस बार 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह के तहत हर घर तिरंगा फहराना है इसलिए हर व्यक्ति अपने तरीके से इस स्वतंत्रता सप्ताह से जुड़े। इस दौरान सभी के घरों, सरकारी गैर सरकारी दफ्तरों, संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा फहराया जाए।

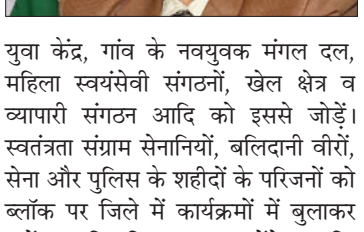

प्रदेश के विभिन्न नागरिक गैर सरकारी संगठनों के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि समाज के हर एक वर्ग, हर तबके, हर सामाजिक संगठन, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, एनसीसी कैडेट, नेहरू युवा केंद्र, गांव के नवयुवक मंगल दल, महिला स्वयंसेवी संगठनों, खेल क्षेत्र व व्यापारी संगठन आदि को इससे जोड़ें। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, बलिदानी वीरों, सेना और पुलिस के शहीदों के परिजनों को ब्लॉक पर जिले में कार्यक्रमों में बुलाकर उन्हें सम्मानित किया जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में 25 वर्षों के बाद ही ऐसा अवसर आएगा इसलिए ऐसा माहौल रहे कि पूरी दुनिया देखे। इस अविस्मरणीय अवसर पर कोई छुट्टी मनाने न जाए। स्वतंत्रता सप्ताह पर्व महज एक सरकारी कार्यक्रम न रहे, बल्कि हर एक नागरिक का कार्यक्रम बने। पूरे सात दिन तक उत्सव का माहौल हो। खेल प्रतिस्पर्धा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीत-संगीत, तीज, त्योहार से जुड़े सभी आयोजनों को आजादी के अमृत पर्व से जोड़ें।

राजबब्बर को 26 साल पुराने मामले में मिली जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव में मतदान अधिकारी से मारपीट करने के 26 साल पुराने मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा दी गई दो साल सजा के खिलाफ तत्कालीन सपा प्रत्याशी राजबब्बर ने जिला जज की अदालत में अपील दाखिल की है। इसे सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए जिला जज मीना श्रीवास्तव ने राजबब्बर को जमानत देते हुए 20-20 हजार की दो जमानतें व निजी मुचलका दाखिल करने का निर्देश दिया है। वहीं राज्य सरकार को पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी करते हुए सुनवाई की तारीख 20 अगस्त तय की है।

राजबब्बर की ओर से कोर्ट में गुजारिश की गई थी कि उनको जुर्माना जमा करने से छूट दी जाए। इसे कोर्ट ने अस्वीकार करते हुए आदेश दिया कि जुर्माने की पूरी राशि 15 दिन के अंदर निचली अदालत में जमा करने पर कारावास की सजा का क्रियान्वयन अपील के दौरान स्थगित रहेगा।

भारत जोड़ो यात्रा

कांग्रेस ने अन्य दलों को शामिल होने का दिया प्रस्ताव

» दो अक्टूबर से पहले शुरू हो सकती है पदयात्रा, 150 दिनों तक चलेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में सांप्रदायिक नफरत और बंटवारे के गहराते माहौल को देखते हुए कांग्रेस कन्याकुमारी से कश्मीर तक की अपनी प्रस्तावित भारत जोड़ो यात्रा को दो अक्टूबर से पहले ही शुरू करने की संभावनाओं पर विचार कर रही है। पार्टी नेतृत्व ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों के साथ गुरूवार को हुई बैठक में यात्रा की रूपरेखा से लेकर इसे जल्द शुरू करने की रणनीति पर चर्चा की।

बैठक के बाद पार्टी ने ऐलान किया कि भाजपा के भारत तोड़ो का जवाब देने के लिए कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा अब पूरी तरह पदयात्रा होगी। करीब 150 दिनों तक चलने वाली कांग्रेस की यह पदयात्रा 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होते हुए 3500 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों के साथ भारत जोड़ो यात्रा के संचालन के लिए बनाई गई पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक के बाद इसके अध्यक्ष दिग्विजय सिंह और पार्टी के संचार महासचिव जयराम रमेश ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में अन्य दलों और सिविल सोसाइटी को इसमें शामिल होने का खुला प्रस्ताव दिया। जयराम ने कहा कि बेशक यह कांग्रेस पार्टी की पदयात्रा होगी मगर जिस तरह आज देश का सामाजिक ताना-बाना और लोकतंत्र खतरे में है उसे देखते हुए हम समान विचारधारा वाले सभी राजनीतिक दलों और सिविल सोसाइटी से अपील करते हैं कि वे भी हमारी पदयात्रा में शामिल हों।

अपनी भाषा पर सांसदों को देना होगा ध्यान

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संसद के दोनों सदनों में शब्दों के इस्तेमाल को लेकर नई गाइडलाइन जारी हुई है जिसके मुताबिक सांसदों को अपनी भाषा और कुछ शब्दों पर ध्यान देना होगा। संसद के दोनों सदनों में सदस्य अब जुमलाजीवी, पाखंड, ड्रामा, नौटंकी, निकम्मा आदि शब्दों का प्रयोग नहीं कर पाएंगे। ऐसे शब्द अब लोक सभा और राज्य सभा में असंसदीय माने जाएंगे लेकिन अब सवाल ये है कि इन शब्दों के बगैर विपक्ष सदन में अपनी बात कैसे रखेगा? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, डॉ. राकेश पाठक, अजय शुक्ला, डॉ. सुनीलम, अभिषेक कुमार और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अभिषेक कुमार ने कहा, भारत में शब्दों को संसदीय या असंसदीय बनाने की परंपरा रही है। अब जुमलाजीवी चल रहा है। जुमलाजीवी आपत्तिजनक शब्द नहीं है, मुझे नहीं लगता। कांग्रेस सत्ता में आएगी तो कहेगी कि बोफोर्स का इस्तेमाल मत करो। आरजेडी सत्ता में आएगी तो कहेगी चिकारा शब्द का इस्तेमाल मत करो, आगे कभी भाजपा सत्ता में आएंगी तो फेकूं शब्द का इस्तेमाल मत करो।

अशोक वानखेड़े ने कहा, अब तड़ीपार शब्द यदि किसी नेता की हत्या पर होती है और वो हत्यारा तड़ीपार है यदि संसद में इस पर बहस होगी तो क्या शब्द यूज होगा, तड़ीपार ही होगा। जुमला शब्द पीएम के लिए इस्तेमाल होता पर अब नहीं। आंदोलनजीवी प्रधानमंत्री बोल देते तो कुछ नहीं। आप मेरा समय खराब कर रहे हैं... आप मेरा गला घोंट दीजिए... तो बहुत सारे शब्द असंसदीय हो गए।

डॉ. राकेश पाठक ने कहा, हमारा देश छुईमुई काल में दाखिल हो चुका है। हमारी संसद छुईमुई हो गई है, जरा सी बात पर भावनाएं आहत हो जाती है। एक युग था, अटल बिहारी बाजपेयी जवाहर लाल नेहरू को कटघरे में खड़ा कर देते थे।

अजय शुक्ला ने कहा, इस तरह की स्थितियां है कि तमाम नाम असंसदीय हो गए हैं, चोर को डर लगता है कुछ शब्दों से चोर की दाढ़ी में तिनका। अक्षम, शर्म, शकुनि जैसे तमाम शब्द हैं। शायद चिलम पीकर सारे काम कर रहे हैं। इस मौके पर डॉ. सुनीलम ने भी अपने विचार रखे।

विपक्ष को ओम बिरला की दो टूक

संसदीय चर्चा में कोई शब्द प्रतिबंधित नहीं सदस्य सदन की गरिमा का रखें ख्याल

» सरकार के दबाव की बात गलत, संसद और विधान सभा स्वतंत्र संस्थाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असंसदीय शब्दों के संकलन या शब्दकोष को लेकर उठे विवाद के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने साफ किया है कि कोई भी शब्द प्रतिबंधित नहीं है। यानी सूची में दिए गए शब्द भी सदस्य बोल सकते हैं, लेकिन इनका इस्तेमाल गलत संदर्भों में नहीं किया जाना चाहिए। अगर संदर्भ गलत होगा तभी उसे संसदीय कार्यवाही से हटाया जाएगा। वैसे यह अपेक्षित है कि सदस्य संसद की मर्यादा का पालन करें और आमजन में संसद की छवि ठीक करें।

ओम बिरला ने कहा कि लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी संकलन में संदर्भों के आधार पर शब्दों को जगह दी गई है। किसी शब्द का अगर संदर्भ गलत होगा तभी उसे संसदीय कार्यवाही से हटाया जाएगा। शब्दों को असंसदीय शब्दकोष में शामिल करने की व्यवस्था नई नहीं, यह 1954 से अमल में। बिरला ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी शब्द को असंसदीय शब्दकोष में शामिल करने की व्यवस्था नई नहीं है। यह 1954 से अमल में है। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि असंसदीय शब्दकोष में किसी भी शब्द को शामिल करने की एक लंबी प्रक्रिया है। इनमें वही शब्द जोड़े जाते हैं जो पूर्व में संसद के दोनों सदनों या फिर राज्यों की विधानसभा और विधान परिषद में कार्यवाही से हटाए गए होते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि कुछ लोग इन शब्दों को लेकर लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही यह प्रसारित कर रहे हैं कि सरकार के दबाव में इन शब्दों को शामिल किया गया है, जो पूरी तरह से गलत है। संसद और राज्यों की विधानसभाएं स्वतंत्र संस्थाएं हैं। सरकारों का इन पर किसी तरह का कोई नियंत्रण नहीं होता है। ओम बिरला ने उदाहरण देते हुए आदिवासी और कोयला चोर जैसे शब्दों का जिक्र किया और बताया कि इनमें से आदिवासी शब्द को छत्तीसगढ़ विधानसभा ने हटाया था क्योंकि कभी वह गलत संदर्भ में प्रयुक्त हुआ था।

समय-समय पर जोड़े जाते हैं नए शब्द

ओम बिरला ने कहा कि असंसदीय शब्दकोष मौजूदा समय में करीब 1,100 पृष्ठों का है। इसे 1954 से लगातार तैयार किया जा रहा है। समय-समय पर इसमें नए-नए शब्द जोड़े जाते हैं। ये सारे शब्द वही होते हैं, जो संसद के दोनों सदनों में या फिर विधानसभाओं में हटाए गए होते हैं। इसे 1986, 1992, 1999, 2004 और 2009 में अपडेट किया गया था, जबकि वर्ष 2010 से इसका नियमित रूप से प्रकाशन किया जाता है। उन्होंने कहा, संसदीय कार्यवाही से किसी शब्द या वाक्य को हटाने के सख्त नियम हैं, जो सदन की ओर से ही सर्वसम्मति से तैयार किए गए हैं। इसके तहत कोई सदस्य सदन की कार्यवाही में कुछ ऐसे शब्द बोल देता है, जिससे कोई दूसरा सदस्य सहमत नहीं होता या फिर उसे बुरा लगता है तो वह पीठासीन अधिकारी से उस शब्द या वाक्य को हटाने की मांग करता है।

अधूरे ओवरब्रिजों का निर्माण कार्य जल्द पूरा हो : जितिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद ने बरेली में कहा सुभाषनगर ओवरब्रिज को लेकर आ रही धन की कमी अब दूर हो जाएगी। मंत्री ने जल्द ही बचे हुए धनराशि को अवमुक्त करने का भरोसा दिया है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री के आश्वासन के बाद फिर से सुभाषनगर ओवरब्रिज निर्माण की उम्मीद बढ़ गई है। सांसद संतोष गंगवार व कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने सुभाषनगर ओवरब्रिज में आ रही धन की कमी को लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री से लखनऊ में मुलाकात की। मंत्री से ओवरब्रिज निर्माण के लिए बजट मांगा था, कहा कि स्मार्ट सिटी परियोजना से 40 करोड़ रुपये मंजूर हो गए हैं लेकिन पीडब्ल्यूडी की ओर से अब तक बजट नहीं उपलब्ध हो सका है, जबकि इस पुलिया से हर दिन हजारों लोग गुजरते हैं। इसके बनने से एक लाख से अधिक लोगों को इसका फायदा होगा। मंत्री से ओवरब्रिज निर्माण में आने वाली लागत का 50 प्रतिशत धन की मांग की। मंत्री ने दोनों नेताओं को धन की कमी नहीं आने देने का आश्वासन दिया।

कांवड़ियों पर होगी पुष्प वर्षा, डीजे बजाने की भी अनुमति : अवस्थी

» इस बार कावड़ यात्रा को अभूतपूर्व बनाने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांवड़ यात्रा की तैयारियों को परखने के लिए अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी और डीजीपी डीएस चौहान मेरठ पहुंचे। उन्होंने औघड़नाथ मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद कहा कि इस बार कावड़ यात्रा को अभूतपूर्व बनाने की तैयारी है। मुख्यमंत्री के निर्देश का हवाला देते हुए कहा कावड़ लेने जाने वाले शिव भक्तों पर पुष्प वर्षा होगी। इसके साथ मार्ग में उनके खाने-पीने, ठहरने और चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था की जाएगी। डीजे बजाने की भी अनुमति होगी। लेकिन सभी की सुविधा का ध्यान रखते हुए इसे निर्धारित डेसिबल (आवाज की तीव्रता) पर बजाना होगा। हाईकोर्ट के आदेशों के अनुपालन में ऐसा करना जरूरी भी है।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कांवड़ यात्रा में शिविर लगाने वाले लोगों से भी वार्ता हुई है, उन्हें भी व्यवस्था में सहयोग देने और सभी की गरिमा का ध्यान रखने की हिदायत दी गई है। डीजीपी ने कहा डीजे पर भक्ति गीत बजाएं, फूहड़ गीत बजाने से बचना होगा। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने बाबा औघड़नाथ के दर पर माथा टेका और पूजा अर्चना की। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने कावड़ यात्रा के साथ दिल्ली रोड की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। बताया गया कि बेगमपुर कावड़ यात्रा का मुख्य प्वाइंट होता है। इसलिए बेगमपुर की व्यवस्था को भी परखा गया। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी और डीजीपी डीएस चौहान ने दिल्ली रोड पर ट्रांसपोर्ट नगर के पास आरआरटीएस के कार्य के बारे में जानकारी की। कावड़ यात्रा के समय उनका कार्य किस प्रकार संचालित होगा। उसके बाद अमले के साथ मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर का निरीक्षण करने के बाद पूजा अर्चना की और साफ-सफाई की सराहना भी की।

अपर मुख्य सचिव गृह ने बताया कि इंटरनेट मीडिया पर पूरी तरह से निगरानी हो रही है। इसलिए अपील की जाती है कि कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट अपलोड ना करें। उसके बाद अभी अफसर बेगम पुल पर पहुंच गए। यहां पर एडीजी, आईजी, डीएम और एसएसपी से प्रमुखता से कावड़ यात्रा के बारे में जानकारी ली गई। यातायात व्यवस्था के बारे में प्रमुखता से पूछा गया। बताया गया कि कावड़ संचालित होने के साथ-साथ आमजन को ही कोई परेशानी नहीं हो।

यूपी के 23 पीसीएस अफसर जल्द बनेंगे आईएएस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार यूपी के 23 पीसीएस अफसरों को आईएएस का तोहफा देने जा रही है। वर्ष 2000, 2002 और 2004 बैच के 23 पीसीएस अफसरों को जल्द ही आईएएस संवर्ग में पदोन्नति मिल सकती है।

पीसीएस अफसरों की आईएएस संवर्ग में पदोन्नति के लिए नियुक्ति विभाग ने संघ लोक सेवा आयोग को प्रस्ताव भेज दिया है। आयोग प्रस्ताव का परीक्षण कर अधिकारियों के प्रमोशन के लिए चयन समिति की बैठक कराएगा। केंद्र सरकार ने पीसीएस से आईएएस संवर्ग में प्रमोशन के लिए चयन वर्ष 2021 के लिए प्रदेश में 23 रिक्तियां अधिसूचित की हैं। इस आधार पर 23 पीसीएस अफसरों की आईएएस संवर्ग में पदोन्नति हो सकती है। पीसीएस के जिन बैच के अफसरों का प्रमोशन होना है, उससे सीनियर बैच के चार अफसरों के लिफाफे बंद हैं। इस लिहाज से 19 अधिकारियों की आईएएस संवर्ग में पदोन्नति की संभावना है। इनमें पीसीएस के 2000, 2002 और 2004 बैच के अधिकारी शामिल हैं। जो पीसीएस आईएएस संवर्ग में प्रमोशन पाने की कतार में हैं, उनमें 2000 बैच के आशुतोष मोहन, राजेश कुमार प्रजापति, कामता प्रसाद सिंह, रमेश चंद्र, राम सहाय यादव, अतुल सिंह, राम सिंह वर्मा व मंजूलता, 2002 बैच की अन्जू कटियार, अलका वर्मा, संतोष कुमार, सुनील कुमार सिंह, चित्रलेखा सिंह, सतीश पाल व मदन सिंह गर्ब्याल तथा 2004 बैच के विपिन कुमार मिश्रा, रेखा एस.चौहान, अनिल कुमार सिंह-प्रथम और रीना सिंह शामिल हैं।

» नियुक्ति विभाग ने संघ लोक सेवा आयोग को भेजा प्रस्ताव

एआईएडीएमके ने 18 सदस्यों को निकाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के अंतरिम महासचिव इदापद्दी के पलानीस्वामी ने पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम के बेटों सहित पार्टी के 18 सदस्यों को पार्टी से निष्कासित कर दिया। इस निष्कासन पर पनीरसेल्वम ने कहा थेनी से लोकसभा सदस्य रवींद्रनाथ को हटाना तानाशाही है। एआईएडीएमके ने पार्टी के 18 सदस्यों को प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया। यह सभी 18 सदस्य पनीरसेल्वम के समर्थक हैं। ओपीएस के दो बेटे ओपी रविंद्रनाथ और वीपी जयप्रदीप लोकसभा सांसद हैं। पार्टी से बर्खास्त किए गए अन्य दिग्गज नेताओं में पूर्व मंत्री नटराजन, कोलाथुर कृष्णमूर्ति और मरुधु अलगराज शामिल हैं। इससे पहले बुधवार को अन्नाद्रमुक ने केपी मुनुसामी और नाथम विश्वनाथन को उप महासचिव नियुक्त किया था। पार्टी ने पोन्नईयन को इंटरनेशनल एमजीआर फोरम का सचिव नियुक्त किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।